



मुख्यमंत्री सचिवालय

प्रेस विज्ञप्ति

रांची, दिनांक: 24/07/2024

मुख्यमंत्री सचिवालय
प्रेस विज्ञप्ति --170/2024
24 जुलाई 2024
रांची / गिरीडीह

=====

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के निर्देश और पहल पर दक्षिण अफ्रीका में फंसे झारखण्ड के 27 कामगारों की हुई घर वापसी, सभी श्रमिकों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

=====

बोकारो के 18, गिरिडीह के 4 और हजारीबाग के 5 श्रमिक आज सवेरे झारखंड के पारसनाथ स्टेशन हुआ आगमन

=====

मुख्यमंत्री ने वापस लौटे श्रमिकों से मोबाइल के जरिए किया संवाद, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री श्री बैद्यनाथ राम, मंत्री श्रीमती बेबी देवी, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन और विधायक श्री सुदिव्य कुमार सोनू ने श्रमिकों के आगमन पर किया स्वागत

=====

राज्य सरकार की पहल पर सभी श्रमिकों के 3 महीने के बकाए पारिश्रमिक का कंपनी ने किया भुगतान, भारत वापसी के लिए हवाई टिकट की भी व्यवस्था की

=====

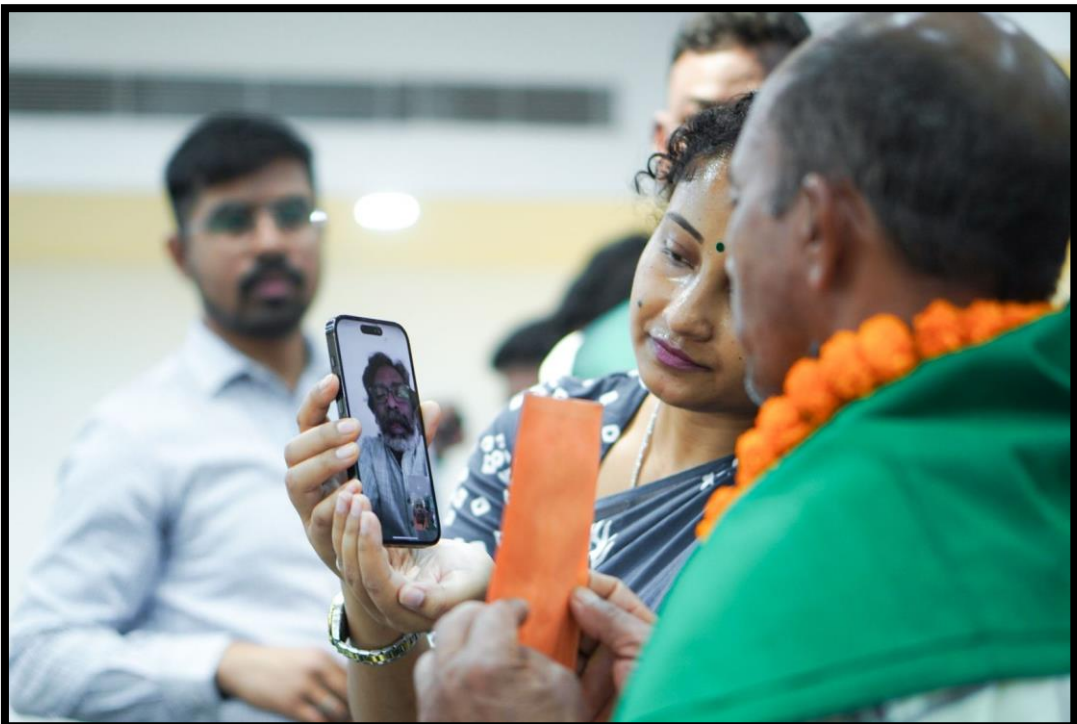
मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के निर्देश एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग की त्वरित पहल पर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून के याउंडे में विनायक कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, अप्रेस ऑडिटोरियम और जीन पॉल टू मबांकलो कंपनी में कार्यरत झारखंड के 27 श्रमिकों की आज सवेरे सुरक्षित अपने घर वापसी हो गई। मंत्री श्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री श्री बैद्यनाथ राम, मंत्री श्रीमती बेबी देवी, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन और विधायक श्री सुदिव्य कुमार सोनू ने श्रमिकों के आज

गिरिडीह पहुंचने पर उनका स्वागत किया। उन्होंने श्रमिकों से बात कर उनकी पूरी व्यथा को जाना। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने भी मोबाइल की जरिए श्रमिकों से संवाद किया और उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग मदद करने का आश्वासन दिया। श्रमिकों ने विकट परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका से वापस अपने घर झारखंड लौटने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए पहल को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।



यह है पूरा मामला

दक्षिण अफ्रीका में फंसे 27 श्रमिकों में बोकारो के 18, गिरिडीह के 4 और हजारीबाग-5 श्रमिक हैं। ये सभी श्रमिक इस वर्ष 29 मार्च से वहां काम कर रहे थे। उन्होंने 16 जुलाई को एक्स हैंडल पर 4 महीने से पारिश्रमिक बकाया रहने और वापस भारत लौटने की इच्छा जताई थी।



मुख्यमंत्री ने मामले को लिया संज्ञान में

मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी प्राप्त होते ही श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग को आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। वहीं, POE, रांची को सचिव, श्रम विभाग की ओर से मामले पर संज्ञान लेने हेतु पत्र भेजा गया। पत्र के माध्यम से कामगारों को उनका बकाया पारिश्रमिक और उनके सुरक्षित झारखंड वापसी किस दिशा में पहल करने को कहा था।

राज्य सरकार की पहल पर कंपनी ने श्रमिकों के बकाये पारिश्रमिक का किया भुगतान, हवाई टिकट की भी व्यवस्था की



श्रम विभाग के तहत कार्यरत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा L&T company से संपर्क कर निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द श्रमिकों के बकाया पारिश्रमिक का भुगतान किया जाय। इस संबंध में कोलकत्ता हेड ऑफिस से संपर्क कर पुनः कैमरून, दक्षिण अफ्रीका को मामले से अवगत कराया गया। राज्य सरकार के इस पहल के बाद L&T company ने 17 जुलाई को सभी 27 श्रमिकों को 3 महीने के बकाया पारिश्रमिक के रूप में 30 लाख रुपए का भुगतान किया गया। श्रमिकों ने बकाया पारिश्रमिक मिलने की जानकारी वीडियो के माध्यम से राज्य सरकार को दी। कंपनी ने श्रमिकों को भारत वापस भेजने के लिए एयर टिकट की भी व्यवस्था की। 21 जनवरी को सभी श्रमिक

वहां से भारत के लिए उड़ान भरो। 22 जुलाई को मुंबई पहुंचे और फिर ट्रेन से आज सवेरे झारखंड के पारसनाथ स्टेशन पर आगमन हुआ।

=====

#Team PRD(CMO)